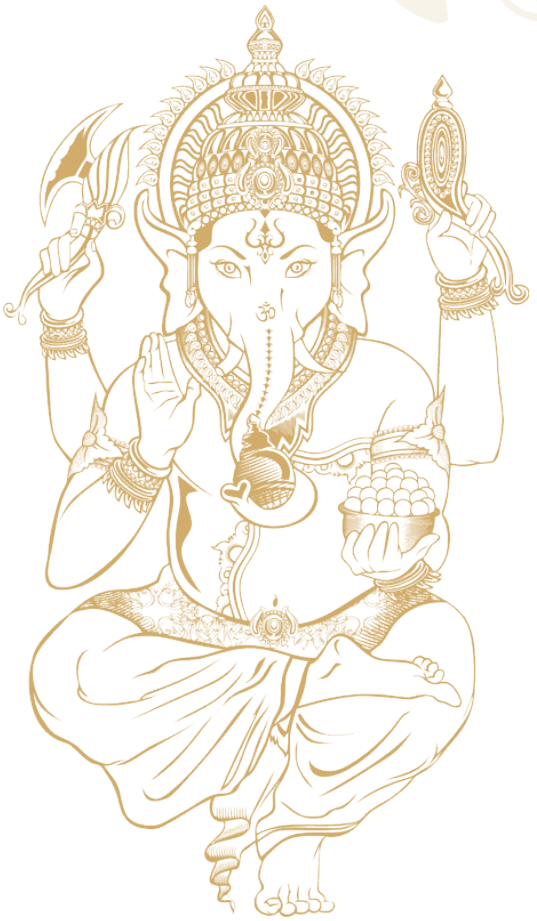

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121760403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	17/12/1996
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 14:35:00	जन्म समय	17:55:00 घंटे
घटी 21:23:12	जन्म समय(घटी)	26:57:56 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:43	सूर्योदय	07:07:49
18:36:37	सूर्यास्त	17:26:59
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 16वर्ष 2मा 15दि		11:18:02	धनु	लग्न	मिथु	09:26:34	शनि 18वर्ष 7मा 16दि	
गुरु		20:13:59	सिंह	सूर्य	धनु	02:02:30	बुध	
22/11/2012		07:59:32	मिथु	चंद्र	मीन	03:35:36	05/08/2015	
22/11/2028		04:00:48	कर्क	मंगल	कन्या	00:00:07	04/08/2032	
गुरु	10/01/2015	09:26:39	कन्या व	बुध	धनु	22:19:19	बुध	31/12/2017
शनि	23/07/2017	14:01:14	धनु	गुरु	धनु	28:03:57	केतु	28/12/2018
बुध	29/10/2019	05:18:05	कर्क	शुक्र	वृश्चि	06:32:29	शुक्र	28/10/2021
केतु	04/10/2020	11:41:22	मीन व	शनि	मीन	06:58:19	सूर्य	04/09/2022
शुक्र	05/06/2023	14:28:38	कन्या व	राहु	कन्या	10:27:42	चन्द्र	03/02/2024
सूर्य	23/03/2024	14:28:38	मीन व	केतु	मीन	10:27:42	मंगल	30/01/2025
चन्द्र	23/07/2025	07:16:54	मक व	हर्ष	मक	08:41:27	राहु	20/08/2027
मंगल	29/06/2026	01:24:26	मक व	नेप	मक	02:30:04	गुरु	25/11/2029
राहु	22/11/2028	06:43:25	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	10:03:20	शनि	04/08/2032

लग्न-चलित

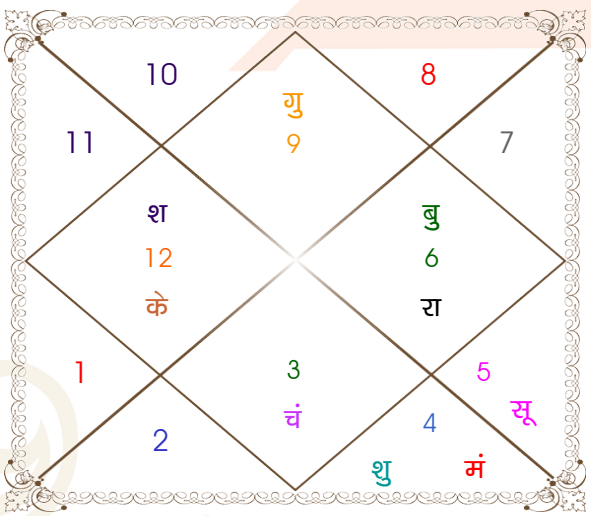

लग्न-चलित

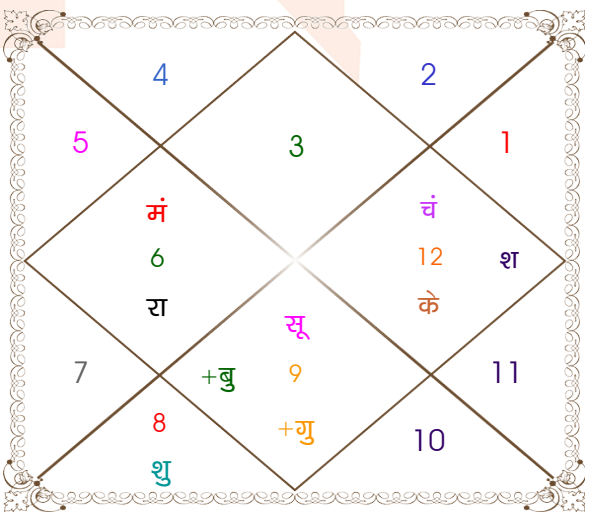

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है। Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।